अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर हुए ब्लास्ट मामले में पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया

आईएसआई के कहने पर रेलवे ट्रैक पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाकर पैसेंजर ट्रेन को उड़ाने की साजिश थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर तीन नवम्बर को हुए ब्लास्ट के मामले में राजस्थान एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। ब्लास्ट में पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया है, जिसमें आईएसआई के कहने पर रेलवे ट्रैक पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाकर पूरी पैसेंजर ट्रेन को उड़ाने की साजिश थी। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे लाइन पर 50 जीबी गांव के पास हुए ब्लास्ट के मामले गुरदासपुर से एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एटीएस के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और आतंकी नेटवर्क ने भारत के युवाओं और लड़कियों को पैसे व प्यार के जाल में फंसाने का नया मॉडल अपनाया है। ब्लास्ट के मामले में पकड़े गए दोनों आरोपियों को महज 2.23 लाख रुपए दिए गए थे। इनमें एक लाख कैश और बाकी ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए थे। पाकिस्तानी हैंडलर के जाल में फंसकर ड्रोन से गिराए गए टाइम बम रेल पटरी पर लगाए थे। गनीमत रही कि टाइमिंग में चूक होने से यह बम पैसेंजर ट्रेन के गुजरने के करीब आधे घंटे बाद फटा, जिससे एक बड़ा रेल हादसा टल गया था। एटीएस ने पंजाब के गुरुदासपुर से महकदीप कौर(19) और उसके साथी देवेंद्र सिंह(23) को गिरफ्तार किया है।



रेलवे ट्रेक पर ब्लास्ट के मामले में गिरफ्तार युवक व युवती।

- ब्लास्ट के मामले में पकड़े गए दोनों आरोपियों को महज 2.23 लाख रुपए दिए गए थे, पाकिस्तानी हैंडलर के जाल में फंसकर ड्रोन से गिराए गए टाइम बम रेल पटरी पर लगाए थे
- दोनों गिरफ्तार आरोपियों को रविवार को अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एंव न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 में पेश किया, जहां से आठ दिन की रिमांड पर भेजा
- आरोपियों के पास से 30 हजार रुपए, दो विदेशी पिस्टल और 40 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं, जिन पर 'पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी' की मुहर लगी है

दोनों को रविवार को अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एंव न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 में पेश किया गया, जहां से आठ दिन की रिमांड पर भेजा है।

एटीएस के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी महकदीप कौर की शादी करीब 2 साल पहले करण नाम के युवक से हुई थी, 24 दिसंबर 2024 को उनका तलाक हो गया। फरवरी 2025 में करण हेरोइन तस्करी के मामले में जेल चला गया। जब महकदीप जेल में करण से मिलने गई, तो करण ने उसे पैसों के इंतजाम के लिए पाकिस्तान बैठे 'लवली' नाम के एक तस्कर का नंबर दिया। देवेंद्र और महकदीप 12वीं में स्कूल में साथ में पढ़ते थे और रिलेशनशिप में थे। महकदीप ने देवेंद्र से बात की। फिर करण से नंबर लेने के बाद पाकिस्तान में लवली से बात करना चालू कर देती है। लवली ने उसे बताया कि मेरा एक दोस्त शाह है, जो पाकिस्तान में है। इसके बाद महकदीप का शाह से संपर्क हुआ और वह उसके प्यार में पड़कर रोमांटिक बातें करने लग जाती है। 12 अक्टूबर को शाह ने वीडियो कॉल पर महकदीप और देवेंद्र की बात पाकिस्तान में बैठे अपने 'चाचा' से करवाई। चाचा ने दोनों को भारी रकम की लालच देकर रेलवे ट्रैक पर आईईडी टाइम बम लगाने का काम सौंपा। इसके बाद शाह ने वीडियो कॉल के जरिए ही दोनों को टाइम बम सेट करने और ब्लास्ट करने की ट्रेनिंग दी। दोनों आरोपी पहली बार 6 अक्टूबर को श्रीगंगानगर के विजयनगर आए, लेकिन बताई गई लोकेशन पर बम नहीं मिलने के कारण खाली हाथ लौट गए। इसके बाद 12-13 अक्टूबर को वे दोबारा आए और रामसिंहपुर-विजयनगर के बीच पटरी पर दो टाइम बम लगाए। हालांकि, तार टूटने और तकनीकी खराबी के कारण दोनों बम नहीं फटे। जब दोनों ने फोन कर किसी स्थानीय व्यक्ति से ब्लास्ट की पुष्टि की और बम न फटने की बात पता चली तो पाकिस्तानी हैंडलर चाचा और लवली ने दोनों को जमकर फटकार लगाई।

एटीएस के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि तीसरी बार दोनों 30 अक्टूबर को श्रीगंगानगर पहुंचे और श्रीगंगानगर के एमआर होटल में रुके। उन्हें पंजाब बॉर्डर पर ड्रोन ड्रॉपिंग के जरिए भेजा गया बम मिला। 1 और 2 नवंबर को मौका नहीं मिलने के बाद, 3 नवंबर की शाम दोनों ने 50 जीबी गांव के पास पटरी पर टाइम बम लगाया और वापस पंजाब भाग गए। रात करीब 9:45 बजे तेज धमाका हुआ, जिससे ट्रैक करीब 10 घंटे बाधित रहा।

एडीजी ने बताया कि एटीएस ने 5 लाख से अधिक मोबाइल डेटा और 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद अमृतसर की सीआई सेल और गुरदासपुर एसपी की मदद से दोनों को कलानौर थाना क्षेत्र से दबोचा। आरोपियों के पास से 30 हजार रुपए नकद, दो विदेशी पिस्टल और 40 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं, जिन पर 'पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री' की मुहर लगी है।

बीकानेर आईजी ओमप्रकाश और श्रीगंगानगर एसपी हरिशंकर ने बताया कि पाकिस्तान बॉर्डर से सटे पंजाब के जिलों (गुरदासपुर, तरनतारन, फाजिल्का) और राजस्थान के श्रीगंगानगर की भाषा व संस्कृति एक जैसी है। बॉर्डर पार बैठे हैंडलर इसी समानता और रिश्तेदारियों का फायदा उठाकर स्थानीय युवाओं को आसानी से अपना मोहरा बना रहे हैं। फिलहाल पुलिस उस कैब ड्राइवर से भी पूछताछ कर रही है, जिसने आरोपियों को श्रीगंगानगर से विजयनगर छोड़ा था।

उदयपुर जिले में दो कारों से 95 किलो डोडा-चूरा बरामद

नुकीली स्टिक फेंककर तस्करों की कार का टायर पंक्चर किया

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले की गोगुंदा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक साथ दो बड़ी कार्रवाई की हैं। पुलिस टीम ने एक के बाद एक दो कारों से करीब 95 किलो अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। उदयपुर की तरफ से आ रहे तस्करों ने पुलिस की नाकेबंदी देखकर रुकने के बजाय गाड़ियां भगाने की कोशिश की। इस पर पुलिस जवानों ने नुकीली स्टिक फेंककर एक कार के टायर पंक्चर कर दिए और दूसरी कार का पीछा किया। खुद को चारों तरफ से घिरता देख दोनों कारों में सवार तस्कर टोल प्लाजा के पास गाड़ियां लावारिस छोड़कर जंगल में भाग निकले।

- गिरफ्तारी से बचने के लिये दो गाड़ियों को छोड़कर जंगल में भागे तस्कर
- पुलिस को ब्रेजा कार के अंदर से अलग-अलग नंबरों की प्लेटें भी मिली

उदयपुर एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर गोगुंदा थानाधिकारी प्रवीण सिंह राजपुरोहित और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की है। हाईवे पर एक ही जगह लगातार दो गाड़ियां पकड़े जाने से डोडा चूरा तस्करों में हड़कंप मच गया। पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की आई-10 कार में अवैध डोडा-चूरा भरकर ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने तुरंत बायण माता कट पर सख्त नाकेबंदी कर दी और गाड़ियों की चेकिंग शुरू की। इसी दौरान उदयपुर की तरफ से एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार आती दिखाई दी। पुलिस ने जब मौके पर दोनों गाड़ियों की तलाशी ली, तो उनके अंदर कट्टों में भरा डोडा-चूरा मिला। पुलिस ने जब इसका वजन करवाया तो आई-10 कार से करीब 46 किलो और ब्रेजा कार से करीब 49 किलो डोडा-चूरा निकला। पुलिस ने कुल 95 किलो डोडा-चूरा और दोनों कारों को जब्त कर गोगुंदा थाने पर खड़ा करवाया है। तलाशी के दौरान पुलिस को ब्रेजा कार के अंदर से अलग-अलग नंबरों की प्लेटें भी मिली हैं। तस्कर अलग-अलग इलाकों में पुलिस और टोल कैमरों को चकमा देने के लिए इन फर्जी नंबर प्लेटों का इस्तेमाल करते थे। भागे हुए तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने आसपास के जंगलों और पहाड़ियों में करीब 3 घंटे तक सघन तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन घने जंगल की वजह से तस्कर हाथ नहीं लगे। दोनों गाड़ियां टोल प्लाजा के ठीक पहले और आगे लावारिस हालत में मिली हैं। ऐसे में पुलिस अब टोल प्लाजा और हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि कार चला रहे तस्करों के हुलिए और चेहरे पहचाने जा सके। इसके अलावा ब्रेजा कार में अलग-अलग नंबर प्लेट मिलने की वजह से पुलिस अब दोनों कारों के इंजन और चेसिस नंबर के जरिए परिवहन विभाग से उनके असली मालिकों का रिकॉर्ड निकाल रही है।

कॉलेज जाने की बात कहकर निकली युवती लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 21 साल की युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती अपने ननिहाल से कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी। अलमारी में रखे जेवरात, नगदी रुपए और डॉक्यूमेंट भी गायब मिले। अब पुलिस युवती की तलाश कर रही है।

युवती के लापता होने के केस में उसके मामा ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी भांजी हमेशा से ही ननिहाल में रह रही है। 11 नवंबर की सुबह वह कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। जब उसे कॉल किया तो

- अलमारी में रखे जेवरात, नगद रुपए और डॉक्यूमेंट भी गायब मिले

मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ था। कॉलेज में जाकर मालूम किया तो पता चला कि आज तो कॉलेज की छुट्टी थी। इसके बाद जब घर जाकर अलमारी चेक की तो भांजी के डॉक्यूमेंट्स, नगदी और जेवरात गायब मिले। मामा ने एक युवक पर शक जताया, क्योंकि उस युवक ने धमकी दी थी कि वह भांजी को लेकर चला जाएगा। ऐसे में जब शक के आधार पर उस युवक के भाई को कॉल किया गया तो उसने भी कोई ठीक जवाब नहीं दिया। फिलहाल पुलिस युवती की तलाश कर रही है।

वहीं 17 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने के केस में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी बेटी नौ नवंबर की शाम घर से बिना बताए कहीं पर चली गई। इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चल पाया। जब परिवार ने अपने स्तर पर मालूम किया तो सामने आया कि कोई युवक अपने दो दोस्तों के साथ आया था जो उनकी बेटी को लेकर चला गया। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोटा में युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार जवाहर नगर निवासी 19 वर्षीय युवक तलवंडी स्थित अपने दादी के निवास पर गया था, जहां युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया। परिजनों ने जब युवक को फंदे पर लटका देखा तो उसे उतारकर निजी अस्पताल लेकर गये, जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिये रैफर किया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जवाहर नगर पुलिस ने बताया कि जवाहर नगर निवासी गीत जैन (19) जो पिता के साथ मैस का संचालन करता था, तलवंडी स्थित अपने दादी के घर पर गया हुआ था, जहां युवक ने कमरे में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया।

गले में रस्सी का फंदा फंसने से 13 साल के बच्चे की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर थाना क्षेत्र के पीपलूंद गांव में एक 13 वर्षीय मासूम की गले में रस्सी का फंदा फंसने से दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

- जहाजपुर थाना क्षेत्र के पीपलूंद गांव की है घटना

घटना जहाजपुर थाना क्षेत्र के पीपलूंद गांव की है। यहाँ रहने वाले राजू गुर्जर का 13 वर्षीय बेटा विकास शनिवार सुबह अपने घर पर ही खेल रहा था। खेलते-खेलते अचानक वह एक बड़े हादसे का शिकार हो गया। खेल के दौरान ही गले में रस्सी का फंदा कस जाने से उसकी हालत गंभीर हो गई। पास ही मौजूद उसके भाई शंकर ने जब विकास को इस हालत में देखा, तो उसकी चीख निकल पड़ी। भाई की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य तुरंत मौके पर दौड़े। परिजन आनन-फानन में मासूम विकास को लेकर जहाजपुर अस्पताल पहुँचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत की खबर मिलते ही माता-पिता और परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में जिस बच्चे की किलकारियां गूंजती थीं, वहाँ अब सिर्फ चीख-पुकार और सिसकियां गूँज रही हैं। विकास तीन भाई-बहनों में इकलौता भाई था। महज 13 साल की उम्र में उसकी इस तरह अचानक हुई मौत से पूरा पीपलूंद गांव शोक में डूबा हुआ है। सूचना मिलते ही जहाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल, पुलिस इस पूरे हादसे के कारणों की बारीकी से जांच कर रही है।

उदयपुर में पांच दिन में 2.9 डिग्री तापमान गिरा

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। तापमान में लगातार गिरावट के साथ अब सर्दी का असर धीरे-धीरे तेज होने लगा है। रात और सुबह के समय ठिठुरन महसूस होने लगी है।

रविवार को भी सुबह से मौसम में ठंडक बनी रही। बीते पांच दिनों में दिन के तापमान में 2.9 डिग्री और रात के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को भी सुबह से मौसम में ठंडक बनी रही। बीते पांच दिनों में दिन के तापमान में 2.9 डिग्री और रात के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

बीकानेर में पश्चिमी विक्षोभ से मौसम बदला

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक साबित हुई। पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार रात बीकानेर शहर सहित आसपास के इलाकों में कई दौर में बारिश हुई। रविवार सुबह भी श्रीडूंगरगढ़ और आसपास के गांवों में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई है और मौसम में ठंडक बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर तक बीकानेर में बादल नहीं थे। तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, लेकिन शाम होते-होते आसमान में बादल छा गए। शाम करीब 7 बजे बारिश शुरू हुई, जो लगभग 15 मिनट तक तेज गति से बरसी। इसके बाद रात 8 बजे, साढ़े 9 बजे और उसके बाद करीब 12 बजे फिर तेज बारिश हुई। शहर के कई इलाकों में अलग-अलग समय पर बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में बीकानेर के तापमान में गिरावट आई है। शनिवार दोपहर जहां अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वहीं रविवार सुबह यह 30 डिग्री से नीचे आ गया। न्यूनतम तापमान भी 21 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते मौसम में ठंडक महसूस की जा रही है। बीकानेर शहर के अलावा श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में भी रविवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। ग्रामीण इलाकों में बादलों की आवाजाही के साथ बारिश का दौर जारी रहा।

मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दो दिन बारिश की संभावना जताई थी। इसके बाद सोमवार से मौसम साफ होने की उम्मीद है। सोमवार को नोखा, जसरासर और पांचू क्षेत्र में ग्राम पंचायतों के चुनाव भी होने हैं। ऐसे में बारिश मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। हालांकि बारिश की संभावना कम होने के चलते इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के मतदान केंद्रों तक पहुंचने की उम्मीद है।

उदयपुर में पर्यटकों को परेशान करने वाले तीन युवक पकड़े

कम रेट पर शॉपिंग और होटल बुक कराने का दबाव बना रहे थे

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में आने वाले टूरिस्ट को साइड सीन, सस्ती दर पर शॉपिंग और होटल में ठहराने के लिए बार-बार परेशान करने के मामले में सूरजपोल थाना पुलिस ने 3 लपकों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ राजस्थान पर्यटन व्यवसाय अधिनियम के तहम मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने पर्यटकों को परेशान करते अकरम और कालू खान को आरएमवी रोड पार्किंग, वहीं एक अन्य को जुनेद को गुलाबबाग के पास से पकड़ा है।

- लपकों के पास गाइड या अन्य कोई वैध लाइसेंस नहीं था

जानकारी के अनुसार गश्त कर रही पुलिस ने इन लपकों द्वारा टूरिस्ट को परेशान करते हुए देखा था। लपकों से पूछताछ की तो उनके पास गाइड या अन्य कोई वैध लाइसेंस नहीं था। मामले की जांच कर रहे हैड कॉन्स्टेबल सज्जनसिंह ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद इनकी जमानत हो गई। अब पुलिस द्वारा कोर्ट में इनका चालान पेश कर आगे की कार्रवाई होगी। आगे भी टूरिस्ट को परेशान करने वाले लपकों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि लपकों ने शहर में हैंडीक्रॉफ्ट और राजस्थानी ड्रेसेज आदि की शॉप और कुछ होटल्स से 30 प्रतिशत कमीशन फिक्स कर रखा है। साइट सीन विजिट कराने की आड़ में ये अपनी चुनिंदा शॉप पर शॉपिंग का दबाव बनाते हैं। कम रेट का लालच देकर वहां खरीदारी के लिए ले जाते हैं।

गोवर्धन में गूंजे अष्टछाप के पद, संगीत महोत्सव में गायकों ने प्रस्तुति दी

जयपुर। राजस्थान की समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं संगीत परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग स्थित देवस्थान विभाग राजस्थान के श्री वनबिहारी मंदिर पर कदमखंडी, जतीपुरा में अष्टछाप के महान संत-कवि एवं संगीतज्ञ अष्टसखा गोविंद स्वामी की बैठक पर संगीत महोत्सव का आयोजन किया गया। 'कृष्ण सखा गोविंद स्वामी जी-रसिक अनन्यनि को पथ बाँको' शीर्षक से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अष्टछाप के महान कवियों के पदों का शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित रागों में गायन किया गया। विशेष रूप से अष्टसखा गोविंद स्वामी के चुनिंदा पदों की संगीतमय प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं संगीतप्रेमियों को भावविभोर कर दिया।



कार्यक्रम में अष्टसखा गोविंद स्वामी के पदों की संगीतमय प्रस्तुतियां दी गई।

- कदमखंडी स्थित गोविंद स्वामी की बैठक में हुआ अनूठा संगीत महोत्सव, 600 से अधिक पदों के रचयिता संत-कवि को स्वरांजलि दी

अष्टसखा गोविंद स्वामी राजस्थान की सांस्कृतिक, कृष्ण भक्ति एवं ब्रज परंपरा के महान संवाहक संत-कवि एवं संगीतज्ञ थे। उनका जन्म राजस्थान के भरतपुर जिले के अटारी गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी विलक्षण काव्य प्रतिभा और संगीत साधना के माध्यम से श्रीकृष्ण भक्ति को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें राधा के भाई श्रीदामा का अवतार माना जाता है। ब्रजभाषा में उनके द्वारा रचित 600 से अधिक पद उनकी आध्यात्मिक अनुभूति, काव्य प्रतिभा और संगीत साधना के परिचायक हैं। उनकी रचनाओं में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, मधुर भावों, स्वरूप सौंदर्य और दिव्य लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण मिलता है। गोवर्धन की पावन भूमि पर स्थित उनकी बैठक आज भी उनकी साधना और भक्ति परंपरा की स्मृति को संजोए हुए है। अष्टछाप की परंपरा भारतीय भक्ति साहित्य, संगीत और कृष्णभक्ति की अत्यंत समृद्ध विरासत है। इस परंपरा के आठ महान कवि-संगीतज्ञों को अष्टछाप कहा जाता है।

कार्यक्रम का आयोजन ब्रज संस्कृति संगीत समिति, वृंदावन के तत्वावधान में अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान के सहयोग से शास्त्रीय संगीतज्ञ ब्रज रसिक मधुकरजी के संयोजन में किया गया। उल्लेखनीय है कि अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान अष्टछाप के कवियों, उनके साहित्य, संगीत और आध्यात्मिक योगदान पर शोध एवं अनुसंधान के कार्य में सक्रिय है। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि गोविंद स्वामी के चुनिंदा पदों का पारंपरिक शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित रागों में सस्वर गायन किया गया। हवेली संगीत, शास्त्रीय गायन एवं कथक की सांगीतिक और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से अष्टछाप की परंपरा को अभिव्यक्ति दी गई। इस अवसर पर देवस्थान विभाग राजस्थान के वनबिहारी मंदिर के पुजारी नंदलाल शर्मा ने आयोजन के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कदमखंडी स्थित गोविंद स्वामी की बैठक में इस प्रकार का विशिष्ट संगीत आयोजन पहली बार हुआ है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को ब्रज की प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भी इस अद्भुत आयोजन के लिए शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान के संस्थापक एवं संरक्षक, प्रख्यात भागवताचार्य पंडित योगेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज के मंगलकामना संदेश के साथ उनकी टीम ने सहभागिता की। इस अवसर पर अष्टसखा गोविंद स्वामी की वंश परम्परा के कीर्तनकार डॉ. भगवान मकरंद (कामवन), जयपुर से वरिष्ठ साहित्यकार श्री रामानंद राठी, डॉ. योगेश कुमार शर्मा, सुशांति फाउंडेशन की संस्थापक राधे राधे पुष्पाजी तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. गोवर्धन लाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त अष्टछाप साहित्य, ब्रज संस्कृति और कृष्णभक्ति में रुचि रखने वाले सैकड़ों श्रद्धालु एवं भक्तजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं डॉ गोवर्धन लाल शर्मा द्वारा सम्पादित एक सुंदर रंगीन लघु पुस्तिका 'अष्टछाप : श्रीकृष्ण के अष्टसखा' का भी विमोचन हुआ, जिसे सभी श्रद्धालुओं को निशुल्क वितरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों संतों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

दुबई में हुये सड़क हादसे में चूरू जिले के तीन लोगों की मौत

चूरू, (निसं)। दुबई में हुए भीषण सड़क हादसे ने चूरू जिले के दांदू गांव के तीन परिवारों के चिराग हमेशा के लिए बुझा दिए। हादसे में जान गंवाने वाले धर्मपाल झाझड़िया और नरेंद्र झाझड़िया का रविवार को गांव में गमगीन माहौल के बीच अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व शनिवार को अम्मीलाल झाझड़िया का शव गांव पहुंचने पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ तीन युवकों की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा छा गया और हर आंख नम हो गई। हादसे में गंभीर घायल विजेंद्र सिंह का दुबई के अस्पताल में उपचार जारी है।

- एक गंभीर घायल, तीनों मृतकों का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार हुआ

प्राप्त जानकारी के अनुसार दांदू निवासी कृष्ण झाझड़िया दुबई के एक होटल में नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को रविवार की छुट्टी होने के कारण कार चालक 40 वर्षीय धर्मपाल झाझड़िया अपने साथी 40 वर्षीय अम्मीलाल झाझड़िया, 35 वर्षीय नरेंद्र झाझड़िया, विजेंद्र सिंह और ओमप्रकाश मेघवाल को उनके मकान से निजी कार में कैंप लेकर आए थे। पांचों ने दिनभर कैंप में समय साथ बिताया। शाम को धर्मपाल चारों साथियों को उनकी कंपनी के कमरे पर छोड़ने जा रहे थे। इस दौरान दुबई के जबजा इलाके में एक मोड़ पर उनकी कार ट्रोले से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अम्मीलाल झाझड़िया, नरेंद्र झाझड़िया और धर्मपाल झाझड़िया की मौके पर ही मौत हो गई। विजेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि ओमप्रकाश मेघवाल को मामूली चोट आई। हादसे की सूचना दुबई में ही एक कंपनी में कार्यरत विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद और धर्मपाल के छोटे भाई कृष्ण को मिली। तीन युवकों की मौत की खबर सुनकर दोनों स्तब्ध रह गए। उन्होंने तत्काल अस्पताल में भर्ती विजेंद्र की स्थिति की जानकारी ली। फिलहाल विजेंद्र का दुबई के अस्पताल में इलाज चल रहा है। कृष्ण ने बताया कि तीनों युवकों के शव भारत लाने की प्रक्रिया धर्मपाल के फूफा के बेटे चूरू निवासी राकेश मील और विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद ने पूरी करवाई।

कोई सात महीने पहले तो कोई 11 साल से कर रहा था दुबई में नौकरी :-हादसे का शिकार हुए युवकों में कोई पहली बार रोजगार की तलाश में दुबई गया था तो कोई वर्षों से वहां काम कर रहा था। अमीलाल करीब सात महीने पहले ही पहली बार दुबई गए थे और एक कंपनी में मजदूरी करते थे। नरेंद्र भी पहली बार 24 अक्टूबर को ही दुबई गये थे। वहीं धर्मपाल पिछले 11 वर्षों से दुबई की अजीजी कंपनी में बस चालक के रूप में कार्यरत थे। विजेंद्र सिंह छह महीने पहले दुबई की ट्रांसगार्ड कंपनी में काम करने गए थे। ओमप्रकाश मेघवाल भी दुबई की एक कंपनी में नौकरी करते हैं।

शव पहुंचते ही गांव में मचा कोहराम :-ग्रामीणों ने बताया कि विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद 12 नवंबर की रात दुबई से दांदू गांव पहुंचे थे। उन्होंने सबसे पहले परिवार के प्रमुख सदस्यों को हादसे की जानकारी दी। घटना बेहद दर्दनाक होने के कारण शुरुआत में परिवार की महिलाओं को इसकी सूचना नहीं दी गई। गांव के कुछ लोगों को हादसे के बारे में पहले ही पता चल गया। शनिवार को जब अमीलाल का शव गांव पहुंचा, तब परिवार की महिलाओं को भी पूरी घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद परिवारों में कोहराम मच गया। रविवार को धर्मपाल और नरेंद्र के शव गांव पहुंचे तो बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके घरों पर एकत्र हो गए। गमगीन माहौल में दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

पीछे छोड़ गए मासूम बच्चें, नरेंद्र की पत्नी थी सात माह की गर्भवती :-इस हादसे ने तीनों परिवारों को गहरा आघात पहुंचाया है। अमीलाल के 15 वर्षीय बेटा और 12 वर्षीय बेटी हैं। धर्मपाल अविवाहित थे। वहीं नरेंद्र की एक साल की बेटी है और उनकी पत्नी सात माह की गर्भवती हैं। ऐसे में नरेंद्र की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अमीलाल के छोटे भाई संजय हैं। धर्मपाल के बड़े भाई मुकेश कुमार और छोटे भाई कृष्ण कुमार हैं, जबकि नरेंद्र के बड़े भाई गोविंद हैं। घायल विजेंद्र के बड़े भाई प्यारेलाल और श्रीचंद हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अमीलाल, विजेंद्र और धर्मपाल के सिर से पहले ही पिता का साया उठ चुका था।